माँ का दिल

(पुस्तक के कुछ अंश)

बात पुरानी है ! राजा-महाराजाओं का जमाना था ! एक बलोच (ऊंट पालने वाले को बलोच कहते हैं) की एक ऊंटनी गुम हो गई ! काफी खोज-बीन के बाद उस ऊंटनी का सुराग लगा ! ऊंटनी एक सेठ के घर बन्धी थी ! बलोच ने सेठ से ऊंटनी वापिस करने को कहा ! सेठ ने साफ इंकार कर दिया !

वह उसे अपनी ऊंटनी बताता था !

बात बढ गई ! लडाई – झगडे की नौबत आ पहुंची ! लोगों के समझाने-बुझाने पर दोनो राजा के दरबार में जाने को राजी हो गए ! भरे दरबार में मुकदमा शुरू हुआ ! बलोच कहता था ऊंटनी मेरी है और सेठ कहता था ऊंटनी मेरी है। आगे............

बात पुरानी है ! राजा-महाराजाओं का जमाना था ! एक बलोच (ऊंट पालने वाले को बलोच कहते हैं) की एक ऊंटनी गुम हो गई ! काफी खोज-बीन के बाद उस ऊंटनी का सुराग लगा ! ऊंटनी एक सेठ के घर बन्धी थी ! बलोच ने सेठ से ऊंटनी वापिस करने को कहा ! सेठ ने साफ इंकार कर दिया !

वह उसे अपनी ऊंटनी बताता था !

बात बढ गई ! लडाई – झगडे की नौबत आ पहुंची ! लोगों के समझाने-बुझाने पर दोनो राजा के दरबार में जाने को राजी हो गए ! भरे दरबार में मुकदमा शुरू हुआ ! बलोच कहता था ऊंटनी मेरी है और सेठ कहता था ऊंटनी मेरी है !

राजा ने बलोच से पूछा – “तुम कहते हो कि ऊंटनी तुम्हारी है ! तुम्हारे पास इस बात का कोई सबूत है ?”

बलोच बडे अदब से एक कदम पीछे हट कर, झुक कर बोला – “जनाब, एक सबूत है !”

“क्या ?” – सेठ ने घूरा !

“क्या ?” – राजा ने पूछा !

“महाराज, अगर इस ऊंटनी को मारकर इसके दिल को निकाल कर आप गौर से देखेंगे तो उसमें आपको तीन सुराख नज़र आयेंगे !” बलोच ने उत्तर दिया !

राजा हैरान ! सेठ हैरान !! दरबारी हैरान !!! सभी हैरान !!!!

“यह तुम कैसे कह सकते हो कि इसके दिल में तीन सुराख हैं ?” राजा ने आश्चर्य से पूछा – “तुम ज्योतिष विद्या जानते हो क्या ?”

“महाराज” – बलोच ने बडे अदब से उत्तर दिया –“जब किसी माँ का बेटा भरी जवानी में मर जाता है तो उस माँ के दिल में एक सुराख हो जाता है, जो जिन्दगी में कभी भरा नहीं जा सकता ! इस ऊँटनी को मैंने बचपन से पाला है ! इसकी आंखों के सामने इसके तीन-तीन बेटे एक के बाद एक भगवान को प्यारे हो गए ! इसलिए इसके दिल में तीन सुराख अवश्य मौजूद होंगे ! माँ का दिल जो ठहरा !”

दरबार में सन्नाटा छा गया ! सभी हैरानी से एक-दूसरे का मुंह ताकने लगे !

कहने की जरुरत नहीं कि राजा ने सेठ की सफाई सुनने की भी आवश्यकता नहीं समझी और ऊंटनी बलोच के हवाले करने का हुक्म दे दिया !